दिव्य ज्ञान की ज्योति

मैं वर्ष 2007 से विज्ञान प्रगति का नियमित पाठक हूँ और मुझे यह पत्रिका रोचक, अद्वितीय एवं ज्ञानवर्द्धक लगती है। मैं विज्ञान प्रगति को दिव्य ज्ञान की ज्योति मानता हूँ, क्योंकि इस पत्रिका के माध्यम से प्राप्त होने वाली नवीन जानकारियाँ विद्यार्थियों के साथ-साथ प्रत्येक वर्ग एवं विषय के व्यक्तियों के लिए बहुपयोगी और ज्ञानवर्द्धक होती हैं। विज्ञान प्रगति के जुलाई 2015 के अंक में प्रकाशित विशेष लेख 'वनस्पतिविदों और वर्गिकीविदों की तीर्थस्थली रायल बॉटेनिक गार्डन्स, क्यू' के माध्यम से अत्यंत महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई जो मुझे ज्ञात नहीं थी। इस महत्वपूर्ण अंक के प्रकाशन के लिए विज्ञान प्रगति की समस्त टीम बधाई की पात्र है।

श्री विमल वर्मा, मोहल्ला दुर्गा प्रसाद, निकट कोल्ड स्टोर, बीसलपुर, जिला-पीलीभीत 262201 (उ.प्र.)

संग्रहणीय अंक

'प्राकृतिक आपदाओं पर विशेष विज्ञान प्रगति का जुलाई 2015 अंक काफी महत्वपूर्ण जानकारियों से भरपूर लगा। इसकी आमुख कथा 'बुढ़ाती धरती की बिगड़ती चाल' और विशेष लेख 'ये क्या हुआ, कैसे हुआ?' दोनों आलेखों में भूकम्प से सम्बन्धित काफी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई हैं। नेपाल में आए भूकम्प का कारण और उससे हुए जान-माल के नुकसान के साथ-साथ पूरे भारत में कौनसा क्षेत्र भूकम्प के किस जोन में आता है, यह जानकारी इस अंक से मिली।

विशेष लेख 'उत्तराखण्ड त्रासदी : विज्ञान, विकास एवं पर्यावरण के मध्य संतुलन आवश्यक' से जून 2013 में केदारनाथ में आयी जल प्रलय के कारणों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी मिली।

प्रेरणा पुंज शीर्षक के अंतर्गत 'एक जिंदगी वृक्षों के नाम: प्रकृति सहचरी वंगारी मथाई' आलेख में नोबल पुरस्कार विजेता 'वंगारी मथाई जी' के बारे में जानने को मिला। वास्तव में वंगारी मथाई जी ने प्रकृति के लिए जो कुछ भी किया वो काबिले तारीफ है। चूंकि यह अंक महत्वपूर्ण जानकारियों से युक्त है इसलिए संग्रह योग्य लगा।

श्री महेन्द्र प्रताप सिंह, ग्राम एवं पोस्ट - मेहरागाँव, वाया-पनुवानौला, जिला-अल्मोड़ा 263623(उत्तराखण्ड) [मो. : 09411618899]

रोचक पत्रिका

विद्यार्थियों के वैज्ञानिक ज्ञान में वृद्धि करने वाली विज्ञान प्रगति पत्रिका का हमारे परिवार में सन् 1988 से पठन-पाठन अनवरत जारी है। इस पत्रिका का यह जुलाई 2015 का विशेषांक अत्यधिक रोचक एवं गूढ़ रहस्यों एवं महत्वपूर्ण जानकारियों का केंद्र बिन्दु लगा। इस अंक की आमुख कथा 'बुढ़ाती धरती की बिगड़ती चाल' सम्पादकीय कालम, 'प्राकृतिक आपदा और विपदा' से प्राकृतिक और मानव निर्मित उन गलतियों का एहसास हुआ जिससे प्राकृतिक आपदाओं के विकराल रूप का हमें सामना करना पड़ता है। जहां आमुख कथा हमें भूकंप से सावधान रहने की सीख देती है, वहीं विजन कुमार पाण्डेय जी का विशेष लेख नेपाल की भीषण त्रासदी से निपटने की सलाह देता है और उत्तराखण्ड त्रासदी का महत्वपूर्ण लेख विज्ञान, विकास और पर्यावरण के बीच सामंजस्य को आवश्यक बताता है। देवकी नंदन जी और डा. दिनेश चमोला 'शैलेश' की अभिव्यक्ति विज्ञान के विराट ज्ञान का सागर लगीं।

श्री देवेश त्रिपाठी, ग्राम व पोस्ट-मेंहइपार, जिला-संतकबीर नगर 272154 (उ.प्र.)

अद्वितीय पत्रिका

मैं विगत एक साल से विज्ञान प्रगति का नियमित पाठक हूँ। यह पत्रिका देश की जनमानस की प्रगतिशील और नवाचार को रेखांकित करती है। विज्ञान प्रगति एक अद्वितीय पत्रिका है। जुलाई 2015 का प्राकृतिक आपदाओं पर विशेष यह अंक बहुत ही लाभप्रद रहा। आमुख कथा 'बुढ़ाती धरती की बिगड़ती चाल' से भूकम्प क्षेत्र व भू. कंप से सम्बंधित हर पहलू से अवगत हुए। इससे भूकंप के सम्बन्ध में लोगों की अज्ञानता दूर होगी, जनजागरूकता फैलेगी तथा भूकंप की समस्याओं को स्वीकार कर पहले से ही तैयारी करने की प्रेरणा मिलेगी। दरअसल समस्या भूकंप की नहीं बल्कि असुरक्षित भवनों को लेकर है। विज्ञान प्रगति का प्रत्येक अंक महत्वपूर्ण एवं संग्रहणीय होता है। 'सवाल जब जब, जवाब तब तब' स्तंभ में ऐसे ज्ञानवर्द्धक प्रश्न-उत्तरों का संग्रह होता है जो सामान्य ज्ञान की पहुँच से बाहर होता है। खासकर सिविल सर्विस के अभ्यर्थियों में नवीन चेतना, स्फूर्ति एवं उत्साह का संचार करने वाली यह भारतीय पत्रिका विज्ञान प्रगति इतिहास के नभमंडल पर दिव्यमान सूर्य की तरह है।

श्री संजय कुमार मेरावी
ग्राम-टोपला (गढ़ी), पोस्ट-बालाघाट, 481117 (म.प्र.)
[ई-मेल : sanjaymeravi@gmail.com]

ज्ञान का खजाना

मैं विज्ञान प्रगति का नियमित पाठक हूँ और जब भी विज्ञान प्रगति का नया अंक पढ़ता हूँ तो मुझे उसमें कुछ न कुछ नया सीखने को मिलता है। यह पत्रिका मुझे ज्ञान का खजाना लगती है क्योंकि इसमें हर विषय और क्षेत्र के बारे में अच्छी जानकारी रंगीन चित्रों के साथ मिलती है।

श्री सैंडी चौरसिया, सुपुत्र श्री सूर्य प्रकाश चौरसिया, ग्राम-रामदासपुर मसौली, बीकापुर फैजाबाद (उ.प्र.)
[मो. : 09044486744; 09452807749;
ई-मेल : schaurasiya073@gmail.com]